



कार्यक्रम में साहित्यकार .

## युवा साहित्य मैथिली भाषा कार्यक्रम का हुआ आयोजन

**झंझारपुर.** साहित्य अकादमी द्वारा वेबलाइन साहित्य शृंखला अन्तर्गत युवा साहित्य मैथिली भाषा कार्यक्रम का आयोजन हुआ. कार्यक्रम मैथिली भाषा के नये पीढ़ी के साहित्यकारों पर केन्द्रित था. देश के विभिन्न जगहों पर मैथिली की सेवा कर रहे रचनाकारों ने इसमें भाग लिया. अध्यक्षता अकादमी के सचिव एन. श्रीनिवासन ने की. संचालन सुरेश ने की. कार्यक्रम के प्रारंभ में साहित्य अकादमी के मैथिली भाषा के संयोजक अशोक अविचल ने युवा साहित्यकारों को संबोधित कर कार्यक्रम की शुरुआत की. संयोजक ने मैथिली में युवा साहित्यकारों की भूमिका पर प्रकाश डाला. कहा कि विश्व की प्राचीन भाषाओं में एक मैथिली की वर्तमान स्थिति चिंताजनक है. इसके अधिक से अधिक अध्ययन और प्रचार-प्रसार पर जोर देने की जरूरत है. उन्होंने मैथिली में कविता की हो रही अधिक रचना को उत्साहवर्द्धक मानते हुए तुलनात्मक रूप से गद्य की अन्य विधाओं में भी ज्यादा से ज्यादा रचना की जरूरत महसूस की. कार्यक्रम में कुल बारह आमंत्रित कवियों ने अपनी रचना प्रस्तुत किया. जिसमें मधुबनी के गजलकार प्रदीप पुष्प ने अपनी नयी गजल का पाठ किया. प्रदीप पुष्प की लिखी किताब मोनक देहरिपर हाल में ही लोकार्पण हुआ है. कार्यक्रम में उमेश मंडल, मुख्तार आलम, प्रीतम कुमार निषाद, विजय कुमार यादव, रामकृष्ण परार्थी, साकेत ठाकुर, रूपम झा, संस्कृति मिश्र, निशाकर, सोनी, नीलू झा, अंशुमान, सत्यकेतु आदि कवियों ने भी अपने रचनाओं का पाठ किया. साहित्य अकादमी के उप-सचिव सुरेश जी ने धन्यवाद ज्ञापन किया.

# साहित्य अकादमी अंतर्गत युवा साहित्य मैथिली भाषा कार्यक्रम का आयोजन



## राष्ट्रीय खबर

**अड़रियासंग्राम** : सोमवार को साहित्य अकादमी के वेबलाइन श्रृंखला अन्तर्गत युवा साहिती, मैथिली भाषा कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसकी अध्यक्षता अकादमी के सचिव श्रीनिबासन सर ने की तथा संचालन सुरेश जी ने की। कार्यक्रम के प्रारंभ में साहित्य अकादमी के मैथिली भाषा के संयोजक अशोक अविचल जी ने युवा साहित्यकारों को संबोधित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। कुल बारह कवियों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत की। कार्यक्रम में मधुबनी के प्रसिद्ध गजलकार प्रदीप

पुष्प ने अपनी नयी गजलों का पाठ किया। उन्होंने जहाँ कहिया धरि सबहक पेट भरतै खेत, कहियो टुकड़ी - टुकड़ी भ मरतै खेत के द्वारा जनसंख्या बढ़ने से आने वाली पीढ़ी की समस्याओं पर प्रकाश डाला, वहीं स्वप्नक सिंदूरी आकाशमे हम छियौ की नहिं, कोनो बिसरल गीतक भासमे हम छियौ की नहिं के द्वारा बिछड़े प्रेमी के दर्द को व्यक्त किया। कार्यक्रम में उमेश मंडल, मुख्तार आलम, रूपम झा, संस्कृति मिश्र, निशाकर, सोनी नीलू झा, अंशुमान सत्यकेतु आदि कवियों ने भी अपनी रचनाओं का पाठ किया।